अंतर विषयक शोध

Interdisciplinary research

अंतर विषयक शोध का अर्थ वह अनुसंधान है जिसमें एक से अधिक विषयों के विशेषज्ञ भाग लेते हैं। यहां शोध समस्या ही कुछ ऐसी होती है जिसके समाधान के लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। अतः इसकी परिभाषा इस प्रकार दी जा सकती है कि अंतर विषयक शोध एक व्यवस्थित ,अनुभवी तथा आलोचनात्मक अनुसंधान है ,जो विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों द्वारा बहुमुखी शोध समस्या हेतु संचालित किया जाता है। उदाहरण :समस्या यह है कि सांप्रदायिक दंगा क्यों होता है ?और इसे कैसे रोका जा सकता है? यह समस्या बहुमुखी है। इस समस्या के 5 पहलू या बिमाये हैं: धार्मिक ,सामाजिक ,आर्थिक, राजनैतिक तथा मनोवैज्ञानिक समस्या के समाधान के लिए पांच विषयों के विशेषज्ञों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक होगी। कारण सांप्रदायिक दंगा का एक कारण धार्मिक कट्टरपंथ या अंधविश्वास हो सकता है ,इसका दूसरा कारण आर्थिक और सुरक्षा का भाव हो सकता है, इसका तीसरा कारण सामाजिक व्यवस्था हो सकता है ,इसका चौथा कारण गलत राजनैतिक नीति हो सकता है और इसका पांचवां और अंतिम कारण मानव इत्यादि हो सकता है।इस समस्या का समधान तभी मिल सकता है ,जबकि इन सभी क्षेत्रों के विशेषज्ञ सामूहिक रूप से एक सामान्य विधि प्रणाली द्वारा समाधान के लिए प्रयत्नशील है।

अंतर विषयक शोध का स्वरूप या विशेषताएं:

Nature or characteristics of interdisciplinary research:

अंतर विषयक शोध की एक विशेषता यह है कि इसकी समस्या बहुमुखी होती है। समस्या के कई पहलू या बीमा बीमाए होती हैं। इस आधार पर यह शोध सामान्य शोध से भिन्न है।

इस प्रकार के शोध में समस्या ऐसी होती है कि इसके समाधान के लिए एक से अधिक विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। जैसे: व्यक्ति के समायोजन पर पारिवारिक विघटन के प्रभाव से संबंधित शोध समस्या के समाधान के लिए मनोविज्ञान तथा समाज विज्ञान के विशेषज्ञों का सम्मिलित प्रयास आवश्यक होगा। इस दृष्टिकोण से भी यह

Scanned with CamScanner

इस संदर्भ में निम्नलिखित बातें उल्लेखनीय है:

अंतर विषयक शोध के लिए यह आवश्यक शर्त या अवधारणा यह है कि इसका व्यवहार वहां किया जाता है जहां शोध समस्या जटिल होती है। यदि समस्या सरल होती है तो इसके लिए अंतर विशेष शोध उपयुक्त नहीं होता है। अतः अंतर विषयक अनुसंधान का व्यवहार वहां करना चाहिए जहां शोध समस्या विस्तृत या जटिल हो।

अंतर विषयक शोध के उपयोग के लिए समस्या का केवल जतिन होना ही काफी नहीं है, बल्कि उसका बहुमुखी या बहू विमीय होना भी आवश्यक है। कारण इस प्रकार की समस्या के समाधान के लिए विभिन्न विशेषज्ञों का सहयोग आवश्यक होता है। अतः अंतर विषयक शोध का व्यवहार वहां किया जाना चाहिए जहां समस्या जटिल होने के साथ-साथ बहू विमीय हो।

अंतर विषयक शोध के लिए आवश्यक शर्त यह है कि शोध समस्या ऐसी हो जिसका संबंध कविभिन्न विषयों से प्रत्यक्ष रूप से हो। ऐसी स्थिति में संबंधित विषयों के विशेषज्ञ मिलजुलकर उस समस्या के समाधान का प्रयास करते हैं ।यदि समस्या का संबंध किसी निश्चित विषय से नहीं हो तो उस विषय के विशेषज्ञ उसमें रुचि नहीं लेंगे और अंतर विषयक शोध पूरा नहीं हो सकेगा। अतः इस प्रकार के शोध के लिए ऐसी समस्या का चयन करना चाहिए जिसका संबंध विभिन्न विषयों के स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो।

अंतर विषयक शोध की सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ उस शोधकर्ता कार्य में समान रूप से रूचि लेने के लिए तत्पर हैं या नहीं। जब वह वास्तव में इसके लिए तत्पर होते हैं तो शोध कार्य को सफलता के साथ-साथ पूरा किया जाना संभव होता है। यदि उसमें समान तत्परता का अभाव होता है तो शोध समझौते रूप से संचालित नहीं हो पाता है। अतः अन्य बातों के साथ-साथ यह भी आवश्यक है। इस शोध में भाग लेने वालों में समान योग्यता तथा तत्परता मौजूद हो।

अंतर विषयक शोध के लिए यह भी आवश्यक है कि सभी शोधकर्ताओं ने शोध विज्ञान की जानकारी हो। उन्हें शोध विज्ञान के विषय विभिन्न पक्षों से अव

Scanned with CamScanner

Need or importance of interdisciplinary research

वर्तमान समय में अंतर विषयक शोध का महत्व तेजी से बढ़ता जा रहा है और शोधकर्ताओं का ध्यान ऐसे शोधो की ओर अधिक भा रहा है। वर्तमान समय में अंतर विशेष शोध का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है । इसके निम्नलिखित कारण है:

अंतर विषयक शोध के महत्व के बढ़ जाने का एक कारण यह है कि विभिन्न विषयों के बीच पारस्परिक संबंध आज अधिक बढ़ गया है । वह एक दूसरे से काफी निकट हो गए हैं। जैसे मनोविज्ञान का समाज विज्ञान के बीच गहरा संबंध है । यह बात समाज मनोविज्ञान के तुलनात्मक अध्ययन से और भी अधिक स्पष्ट हो जाती है । इसी कारण मनोविज्ञान में भी अन्य सामाजिक विज्ञानों की तरह अंतर विषयक शोध आवश्यक हो चला है और मनोवैज्ञानिकों का ध्यान इस प्रकार के शोधों की ओर आकर्षित होता चला जा रहा है।

मनोविज्ञान के क्षेत्र में अंतर विषयक शोध के लोकप्रिय होने का एक कारण समस्या की जटिलता है। मनोवैज्ञानिक समस्याएं इतनी कठिन और जटिल बनती जा रही हैं कि उनका समाधान केवल अंतर विषयक शोध के आधार पर ही संभव हो सकता है । यह बात दूसरे विषयों के संबंध में भी देखी जा सकती है।

अंतर विषयक शोध की आवश्यकता इसलिए भी महसूस होती है कि इससे किसी समस्या के समाधान में वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में सुविधा होती है। विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ समस्या की वस्तुनिष्ठ व्याख्या का प्रयास करते हैं । यहां सामान्य शोधों की तुलना में वस्तुनिष्ठता के अधिक होने की संभावना रहती है।

अंतर विषयक शोध के वर्तमान समय में अधिक आवश्यक बन जाने का एक आधार विशिष्ट ही कारण है। भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में विशिष्टता प्राप्त करने की एक होड़ लग गई है ,जिस कारण अंतर विषयक शोध आवश्यक सा बन गया है।

अंतर विषयक शोध के लाभ या गुण

Merits or advantages of interdisciplinary research

Scanned with CamScanner

Merits or advantages of interdisciplinary research

अंतर विशेष शोध के निम्नलिखित लाभ हैं:

बहुमुखी समस्या का अध्ययन

Solution of multi Orient problem

जटिल समस्या का अध्ययन

Solution of complex problem

गहन अध्ययन

Intense study

विस्तृत अध्ययन

Wider study

वस्तुनिष्ठ अध्ययन

Objective study

विश्वसनीय अध्ययन

Scanned with CamScanner

Demerits of interdisciplinary research

अंतर विषयक शोध के निम्नलिखित दोष हैं:

समय श्रम तथा धन का अपव्यय

Time labour and money consuming

सीमित क्षेत्र

Limited scope

Scanned with CamScanner

सहयाग का काठनाइ

Difficulty of cooperation

क्षेत्र कार्यकर्ताओं की कठिनाई

Difficulty of field workers

समजातीय शोधकर्ताओं की कठिनाई

Difficulty of homogeneous workers

अंतर विषयक शोध के लिए आवश्यक शर्तें

Conditions for interdisciplinary research

इस संदर्भ में निम्नलिखित बातें उल्लेखनीय है:

अंतर विषयक शोध के लिए यह आवश्यक शर्त या अवधारणा यह है कि इसका व्यवहार वहां किया जाता है जहां शोध समस्या जटिल होती है। यदि समस्या सरल होती है तो इसके लिए अंतर विशेष शोध उपयुक्त नहीं होता है। अतः अंतर विषयक अनुसंधान का व्यवहार वहां करना चाहिए जहां शोध समस्या विस्तृत या जटिल हो।

Scanned with CamScanner

इस प्रकार के शोध में समस्या ऐसी होती है कि इसके समाधान के लिए एक से अधिक विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है । जैसे: व्यक्ति के समायोजन पर पारिवारिक विघटन के प्रभाव से संबंधित शोध समस्या के समाधान के लिए मनोविज्ञान तथा समाज विज्ञान के विशेषज्ञों का सम्मिलित प्रयास आवश्यक होगा। इस दृष्टिकोण से भी यह शोध सामान्य शोध से भिन्न है।

अंतर विषयक अनुसंधान में एक समान विधि प्रणाली का व्यवहार किया जाता है । विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ मिलजुल करें। एक समान विधि प्रणाली का व्यवहार करके समस्या का समाधान का प्रयास करते हैं । अपनी इस विशेषता के कारण भी यह सामान्य शोध से भिन्न है

Scanned with CamScanner